आकाशवाणी श्री विजयपुरम

17.02.2025 समय : 1850

- परीक्षा पे चर्चा के छठे एपिसोड में अभिनेता विक्रांत मैसी और भूमि पेडनेकर ने छात्रों के साथ रचनात्मकता को बढ़ावा देने और जीवन में सकारात्मकता को अपनाने पर चर्चा की।

- गहरे समुद्र में चलने वाली पनडुब्बी मत्स्य–6000 ने सफलतापूर्वक पानी के अंदर परीक्षण पूरा–वर्ष दो हजार पच्चीस के अंत तक पांच सौ मीटर गहराई तक पहुंच का लक्ष्य।

- द्वीपसमूह में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान–पी एम कुसुम योजना की शुरूआत ।

- फरारगंज के मॉडल सीनियर सेकेण्डरी विद्यालय में ''स्कूलों में शतरंज'' कार्यक्रम का शुभारंभ।

<><><><><><><>

परीक्षा पे चर्चा का छठा एपिसोड कल प्रसारित हुआ, जिसमें अभिनेता विक्रांत मैसी और भूमि पेडनेकर ने छात्रों के साथ रचनात्मकता को बढ़ावा देने और जीवन में सकारात्मकता को अपनाने पर चर्चा की। विक्रांत ने दृश्यता की शक्ति पर बल दिया और छात्रों को अपनी दैनिक गतिविधियों का एक जर्नल बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। चर्चा के दौरान, उन्होंने छात्रों को अपने भावनाओं और अनुभवों को अपने माता–पिता के साथ खुलकर साझा करने की सलाह दी। छात्रों के लिए उनका मुख्य संदेश था: "अच्छा खाओ, अच्छा आराम करो; सुधार करते रहो; जाओ, खेलो, आराम करो।" अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने छात्रों को अपनी शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से मिलने, यात्रा करने और स्थानीय व्यंजनों का पता लगाने के प्रति अपना प्यार भी व्यक्त किया, जो उनके पेशे को आनंददायक बनाता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक होने से व्यक्ति को जमीन से जुड़े रहने और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

<><><><><><><>

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान को समुद्रयान परियोजना के हिस्से के रूप में "मत्स्य–6000" नामक चौथी पीढ़ी के गहरे समुद्र में चलने वाली मानव वैज्ञानिक पनडुब्बी को डिजाइन करने और विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा है। गहरे समुद्र मिशन के अंतर्गत दो दशमलव एक मीटर व्यास के आकार वाली इस अत्याधुनिक पनडुब्बी को तीन व्यक्तियों के काम करने के लिए बनाया गया है। मत्स्य–6000 देश की महासागर अन्वेषण क्षमता की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मत्स्य–6000 पनडुब्बी का डिज़ाइन पूरा होने के पश्चात इसकी कार्यक्षमता के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न उप–प्रणालियों की पहचान की गई और उन्हें विकसित किया गया। पनडुब्बी में गोताखोरी के लिए एक बेलेस्ट सिस्टम, तीनों दिशाओं में गति के लिए थ्रस्टर्स, बिजली की आपूर्ति के लिए एक बैटरी बैंक और पानी की सतह पर आने के लिए सिंटैक्टिक फोम शामिल है। इसमें एक परिष्कृत बिजली वितरण नेटवर्क, अत्याधुनिक नियंत्रण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ–साथ पानी के नीचे नेविगेशन डिवाइस भी शामिल हैं। संचार प्रणालियों में एक ध्वनिक मॉडेम, पानी के नीचे टेलीफोन और सतह संचार के लिए अति उच्च आवृति तरंगे (वीएचएफ) शामिल हैं, जो सटीक सतह स्थान ट्रैकिंग के लिए पानी के नीचे ध्वनिक स्थिति और जीपीएस से लेस हैं। पन्नडुब्बी के अंदर, मानव जीवन–रक्षक प्रणालियों, विभिन्न पर्यावरणीय तथा महत्वपूर्ण मापदंडों की क्षमता के लाभ के लिए नेविगेशन जॉयस्टिक, साथ ही पनडुब्बी के बाहर विभिन्न समुद्र विज्ञान सेंसर, पानी के भीतर प्रकाश व्यवस्था और कैमरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन सभी उप–प्रणालियों को स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया है और वर्तमान में इनका परीक्षण किया जा रहा हैं।

<><><><><><><><>

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से विद्युत क्षेत्र में डीजलीकरण को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान–पी एम कुसुम योजना की शुरूआत की गई है। यह योजना द्वीपसमूह में विद्युत विभाग द्वारा कियान्वित की जा रही है। मंत्रालय ने वित्त वर्ष दो हजार चौबीस–पच्चीस के लिए घटक–बी के तहत चौंतीस स्टैंड अलोन सोलार पंप और घटक–सी के व्यक्तिगत पंप सोलराइजेशन के तहत चार सौ छत्तीस व्यक्तिगत ग्रिड–कनेक्टेड सोलार पंप को मंजूरी दी है। योजना में केन्द्रीय रियायत के अलावा तीस प्रतिशत संघ राज्य रियायत को भी अधिसूचित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए, इच्छुक किसान, जल उपयोगकर्ता संघ या सिंचाई प्रणाली से जुड़े लोग श्री विजयपुरम स्थित विभाग के कार्यकारी अभियंता से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><><>

मिडिल स्ट्रेट खाड़ी से दस किलोमीटर की दूरी पर स्थित आर के नाला चैनल पर बने छोटे पुल के डेस्क स्लैब का कार्य पूरा कर लिया गया है। दक्षिण अंडमान ज़िला मजिस्ट्रेट कार्यालय की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस पुल से वाहनों की आवाजाही की अनुमति को सुनिश्चित करने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

श्री विजयपुरम में यातायात पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के चलते विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले सप्ताह विभिन्न उल्लंघनों के लिए कुल चार सौ बीस चालान जारी किए गए और दो लाख पचहत्तर हजार पांच सौ रूपये का जुर्माना वसूला गया। इनमें शराब पीकर गाड़ी चलाने के चालीस चालान शामिल हैं। इसके अलावा, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के लिए एक, नाबालिग द्वारा वाहन चलाने के लिए एक, प्रेशर हॉर्न के इस्तेमाल के लिए दो, बिना हेलमेट के वाहन चलाने के लिए आठ, पीछे और साइड विंडो पर टिंटेड फिल्म का इस्तेमाल करने वाले बाईस और बिना नंबर प्लेट वाले एक वाहन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने आम जनता से भी उल्लंघनकर्ताओं की फोटो और वीडियो पुलिस के अधिकारिक व्हाट्सऐप नम्बर 9531892228 पर साझा कर सकते हैं।

<><><><><><><><>

लघु प्रजनन और बाल स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम के अंतर्गत हाल ही में मंजरी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय और अनिम्स के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में सभी प्रतिभागियों का ब्लड शुगर का परीक्षण किया गया।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस की भारतीय आरक्षी बटालियन में प्रतिनियुक्ति के आधार पर चयन किया जाएगा। अंडमान निकोबार पुलिस पांच वर्ष अवधि के लिए डिप्टी कमांडेंट के एक पद और सहायक कमांडेंट के तीन पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र अधिकारियों से नामांकन आमंत्रित कर रही है। इच्छुक अधिकारी नामांकन के लिए निर्धारित प्रपत्र में विवरण, सत्यनिष्ठा प्रमाणपत्र, सतर्कता मंजूरी और पिछले पांच वर्षों के ए सी आर या अपार डोज़ियर के साथ साठ दिनों के भीतर डाक या मेल द्वारा पुलिस विभाग को आवेदन भेज सकते हैं। अधिक जानकारी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

<><><><><><><><>

फरारगंज के मॉडल सीनियर सेकेण्डरी विद्यालय में ''स्कूलों में शतरंज'' कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विम्बर्लीगंज शैक्षणिक अंचल के सी आर सी के तहत प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए स्कूलों में शतरंज कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा निदेशक विक्रम सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विम्बर्लीगंज के उप–शिक्षा अधिकारी डॉ. मनोहरन, स्कूल की प्रभारी पूनम कुमारी और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। शिक्षा निदेशक ने अपने संबोधन में युवा विद्यार्थियों के लिए शतरंज के कई लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शतरंज खेलने से याददाश्त बढ़ती है, एकाग्रता में सुधार होता है और समस्या–समाधान कौशल तेज होता है, जो सभी शैक्षणिक सफलता के लिए आवश्यक हैं। शतरंज को एक मानसिक कसरत के रूप में उजागर करते हुए, उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से बच्चों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। इस पहल का उद्देश्य बुनियादी स्तर पर बच्चों में शतरंज के खेल को बढ़ावा देना है।

<><><><><><><><>

खेल तथा युवा मामले विभाग की ओर से स्कूली बच्चों के लिए सदस्यता और कोचिंग कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्कूली बच्चों को विभिन्न खेलों जैसे तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, क्रिकेट, साइक्लिंग, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल और योग में निशुल्क कोचिंग कक्षाएं प्रदान की जाएगी। इच्छुक बच्चों से सदस्यता प्राप्त करने और कोचिंग कक्षाओं के पंजीकरण के लिए विभाग के नेताजी स्टेडियम से संपर्क करने को कहा गया है।

<><><><><><><><>